Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2134

M.A. (Final) Examination, 2022

PHILOSOPHY

Paper - VI, VII, VIII (iv)

(Vedanta Darshan)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of Seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. Define the following terms :

   निम्नलिखित पदों को परिभाषित कीजिए :

   (i) Brahman

   ब्रह्म

   (ii) Advaitavada

   अद्वैतवाद

   (iii) Aabhasavada

   आभासवाद

   (iv) Maya—Shamkar

   माया–शंकर

   (v) Avidya—Shamkar

   अविद्या–शंकर

   (vi) Jivan Mukta

   जीवन मुक्त

   (vii) Achit Tatva—Ramanuja

   अचित् तत्त्व–रामानुज

   (viii) Ishwar—Madhva

   ईश्वर–मध्व

   (ix) Bandhan

   बंधन

   (x) Shuddhadvaita

   शुद्धाद्वैत

Section–B

(खण्ड–ब)

2. What is the significance of the concept of 'Māyā' in the philosophy of Shankara ?

   शंकर के दर्शन में माया की अवधारणा का क्या महत्व है ?

3. What is the nature of Brahman according to Ramanuja ?

   रामानुज के अनुसार ब्रह्म का स्वरूप क्या है ?

4. Explain Madhva's views about the nature of Brahman and the five kinds of ultimate difference.

   ब्रह्म के स्वरूप तथा पाँच प्रकार के भेदों (पंचभेदवाद) के बारे में मध्व के विचारों को समझाइए।

5. Explain the nature of Bondage and Liberation of Jiva according to Nimbarka.

   निम्बार्क के अनुसार जीवों के बंधन एवं मोक्ष के स्वरूप को समझाइए।

6. Explain Vallabha's views about Bhakti and its types.

   भक्ति एवं इसके प्रकारों के बारे में वल्लभ के विचारों को समझाइए।

7. Explain in detail the tatastha and swaroop Lakshana of Brahman.

   ब्रह्म के तटस्थ और स्वरूप लक्षण को विस्तार से समझाइए।

8. Distinguish between Jiva and Self (Atman) according to Ramanuja.

   रामानुज के अनुसार जीव और आत्मा के भेद का निरूपण कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

9. Explain the nature of Liberation according to Shankara. How does he argue that its real ?

   शंकर के अनुसार मोक्ष के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। वे किस प्रकार सिद्ध करते हैं कि यह नित्य है ?

10. Does Ramanuja accept Jivan-Mukti ? Explain Ramanuja views about the nature of Mukti and the means to Realise it.

क्या रामानुज जीवनमुक्ति को स्वीकार करते हैं ? मुक्ति के स्वरूप एवं इसको प्राप्त करने के साधनों के बारे में रामानुज के विचारों को समझाइए।

11. How according to Nimbarka the Brahman is one and yet different from the Jivas and the world ?

किस प्रकार निम्बार्क के अनुसार ब्रह्म जीव एवं जगत् के साथ एकरूप होते हुए भी भिन्न रूप है ?

12. Discuss Madhva's views about the nature of liberation.

मुक्ति के स्वरूप के बारे में मध्व के विचारों का विवेचन कीजिए।